

Q. Examine the historical evolution of India-Indonesia relations and highlight the key milestones that have influenced and shaped their bilateral ties over time.

India and Indonesia share a historical and cultural legacy, marked by deep-rooted connections dating back to ancient times. Over the years, their bilateral relations have evolved, encompassing political, economic, strategic, and cultural dimensions.

Historical Evolution of India-Indonesia Relations

- **Ancient Connections:**
 - Maritime trade between the Kalinga region (present-day Odisha) and Indonesian islands like Java and Sumatra flourished from the 2nd century BCE.
 - Hindu-Buddhist influences shaped Indonesia's cultural and architectural heritage, evident in iconic structures like Borobudur and Prambanan temples.
- **Colonial and Post-Independence Period:**
 - Both nations shared colonial experiences under European powers, fostering solidarity in anti-colonial movements.
 - Post-Independence, Indonesia's President Sukarno was the Guest of Honour at India's first Republic Day in 1950.
- **Non-Aligned Movement and Cold War Era:**
 - India and Indonesia were key players in the Bandung Conference (1955), which laid the foundation for the Non-Aligned Movement in 1961.
- **Modern Era (Post-1990s):**
 - The end of the Cold War saw greater economic and strategic engagement between the two countries.
 - India's *Look East Policy* (1992) evolved into the *Act East Policy* (2014), complementing Indonesia's *Global Maritime Fulcrum Vision*.

Key Milestones in Bilateral Relations

1. Strategic and Defense Cooperation:

- Comprehensive Strategic Partnership (2018) focused on enhancing maritime security, trade, and investment.
- Joint military exercises such as *Garuda Shakti* (Army) and *Samudra Shakti* (Navy) strengthen defense ties.
- Cooperation in multilateral naval exercises like *Milan* and *Komodo*.
- Agreement on White Shipping Information Exchange for maritime security.

2. Economic and Trade Partnership:

- Indonesia is one of India's largest trading partners in ASEAN, with bilateral trade reaching USD 38.8 billion in 2022-23.
- Memorandum of Understanding (MoU) on Local Currency Settlement Systems (LCSS) to facilitate trade.
- Efforts to conclude the ASEAN-India Trade in Goods Agreement (AITIGA) review by 2025.
- Joint exploration in critical minerals like nickel and bauxite to enhance energy security.

3. Political Engagements:

- Regular high-level visits and dialogues, including the *India-Indonesia Security Dialogue* and *Policy Planning Dialogue*.
- Collaboration in multilateral forums like the G20, ASEAN, IORA, and the UN.

4. Cultural and Educational Ties:

- The influence of Indian epics like *Ramayana* and *Mahabharata* continues to shape Indonesian arts and culture.
- Cultural Exchange Programme (2025–2028) to strengthen people-to-people ties.
- India’s support in Indonesia’s mid-day meal scheme through knowledge sharing.

5. Science, Technology, and Space Cooperation:

- Collaboration on satellite tracking through the Biak Telemetry, Tracking, and Command Facility agreement between ISRO and Indonesia’s BRIN.
- Renewed MoU on scientific and technological cooperation.

6. Climate Change and Disaster Management:

- Indonesia’s membership in the Coalition for Disaster Resilient Infrastructure (CDRI).
- Strengthened cooperation in disaster management and capacity building.

However, despite strong bilateral ties, India and Indonesia face challenges such as trade imbalances driven by coal and palm oil exports, regulatory hurdles, and infrastructure bottlenecks affecting economic integration. Geopolitical concerns, including China's influence in the Indo-Pacific, underscore the need for closer cooperation. As they mark 75 years of diplomatic ties, deeper collaboration in areas like the blue economy, digital technologies, and maritime security, along with addressing trade and strategic challenges, will further strengthen their partnership, contributing to regional peace and prosperity.

प्रश्न: भारत-इंडोनेशिया संबंधों के ऐतिहासिक विकास का परीक्षण करें तथा उन प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालें जिन्होंने समय के साथ उनके द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित कर आकार दिया है।

भारत और इंडोनेशिया के बीच एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत रही है, जिसकी पहचान प्राचीन काल से चल रहे गहरे संबंधों से की जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में, उनके द्विपक्षीय संबंधों में राजनीतिक, आर्थिक, रणनीतिक और सांस्कृतिक आयाम विकसित हुए हैं।

भारत-इंडोनेशिया संबंधों का ऐतिहासिक विकास

- **प्राचीन संबंध:**
 - कलिंग क्षेत्र (वर्तमान ओडिशा) और जावा और सुमात्रा जैसे इंडोनेशियाई द्वीपों के बीच समुद्री व्यापार दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से फला-फूला।
 - इसके अलावा, हिंदू-बौद्ध प्रभावों ने इंडोनेशिया की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत को आकार दिया, जो बोरोबुदुर और प्रम्बानन मंदिरों जैसी प्रतिष्ठित संरचनाओं में स्पष्ट है।
- **औपनिवेशिक और स्वतंत्रता के बाद का काल:**
 - दोनों देशों ने यूरोपीय शक्तियों के तहत औपनिवेशिक अनुभवों को साझा किया, जिससे उपनिवेश-विरोधी आंदोलनों में एकजुटता बढ़ी।
 - स्वतंत्रता के बाद, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो 1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि थे।
- **गुटनिरपेक्ष आंदोलन और शीत युद्ध का दौर:**
 - भारत और इंडोनेशिया बांडुंग सम्मेलन (1955) में प्रमुख प्रतिभागी थे, जिसने 1961 में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी।
- **आधुनिक युग (1990 के बाद):**
 - शीत युद्ध की समाप्ति के बाद दोनों देशों के बीच अधिक आर्थिक और रणनीतिक जुड़ाव देखा गया।
 - भारत की लुक ईस्ट नीति (1992) एक्ट ईस्ट नीति (2014) में विकसित हुई, जो इंडोनेशिया के ग्लोबल मैरीटाइम फलक्रम (Global Maritime Fulcrum) विज़न का ही पूरक है।

द्विपक्षीय संबंधों में प्रमुख उपलब्धियां

1. **सामरिक और रक्षा सहयोग:**
 - a. व्यापक सामरिक भागीदारी (2018) समुद्री सुरक्षा, व्यापार और निवेश को बढ़ाने पर केंद्रित है।
 - b. गरुड़ शक्ति (सेना) और समुद्र शक्ति (नौसेना) जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास रक्षा संबंधों को मजबूत करते हैं।
 - c. मिलान और कोमोडो जैसे बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यासों में सहयोग संबंधों में मजबूती को दर्शाता है।
 - d. समुद्री सुरक्षा के लिए व्हाइट शिपिंग सूचना विनिमय पर समझौता किया गया।
2. **आर्थिक और व्यापार भागीदारी:**
 - a. इंडोनेशिया आसियान में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 38.8 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच गया।
 - b. व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए स्थानीय मुद्रा निपटान प्रणाली (LCSS) पर समझौता ज्ञापन (MoU) इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
 - c. 2025 तक आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौते की समीक्षा पूरी करने के प्रयास संबंधों में मजबूती को दर्शाते हैं।
 - d. दोनों देश ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के लिए निकेल और बॉक्साइट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों में संयुक्त अन्वेषण भी कर रहे हैं।
3. **राजनीतिक जुड़ाव:**
 - a. भारत-इंडोनेशिया सुरक्षा वार्ता और नीति नियोजन वार्ता सहित नियमित उच्च स्तरीय दौरे और संवाद देशों के राजनीतिक जुड़ाव को बढ़ाते हैं।
 - b. जी20, आसियान, आईओआरए और संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देश एक दूसरे का सहयोग करते हैं।
4. **सांस्कृतिक और शैक्षिक संबंध:**

- a. रामायण और महाभारत जैसे भारतीय महाकाव्यों का प्रभाव इंडोनेशियाई कला और संस्कृति को आकार देना जारी रखता है।
 - b. लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (2025-2028) आयोजित किए जाते हैं।
 - c. ज्ञान साझा करने के माध्यम से इंडोनेशिया की मध्याह्न भोजन योजना में भारत का समर्थन अहम रहा है।
- 5. विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहयोग:**
- a. इसरो और इंडोनेशिया के ब्रिन के बीच बियाक टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड सुविधा समझौते के माध्यम से उपग्रह ट्रैकिंग पर सहयोग दोनों देशों के संबंधों में मजबूती को दर्शाता है।
 - b. वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग पर नवीनीकृत समझौता ज्ञापन भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।
- 6. जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन:**
- a. आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) में इंडोनेशिया की सदस्यता से दोनों देशों के संबंधों को मजबूती मिलती है।
 - b. आपदा प्रबंधन और क्षमता निर्माण में सहयोग को मजबूत किया गया है।

हालांकि, मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के बावजूद, भारत और इंडोनेशिया को कोयला और पाम ऑयल निर्यात से प्रेरित व्यापार असंतुलन, विनियामक बाधाओं और आर्थिक एकीकरण को प्रभावित करने वाली बुनियादी ढाँचे की बाधाओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इंडो-पैसिफिक में चीन के प्रभाव सहित भू-राजनीतिक चिंताएँ, घनिष्ठ सहयोग की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। चूंकि वे राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे कर रहे हैं, इसलिए व्यापार और रणनीतिक चुनौतियों का समाधान करने के साथ-साथ नीली अर्थव्यवस्था, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में गहन सहयोग उनकी साझेदारी को और मजबूत करेगा, जिससे क्षेत्रीय शांति और समृद्धि में योगदान मिलेगा।